December 2025

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**213137281134**
Title of the Paper	**:**	**Aṣṭāṅgahṛdayam: Sutrasthana-1**
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit**
Type:	**:**	**DSE**
Scheme:	**:**	**NEP-PGCF**
Semester	**:**	**I**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**90**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English,** but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **9x4=36**

Explain the following verses with reference to the context.

i. तत्राद्या मारुतं घ्नन्ति त्रयस्तिक्तादयः कफम्। कषायतिक्तमधुराः पित्तमन्ये तु कुर्वते ॥

अथवा/OR

दैर्ध्यान्निशानामेतर्हि प्रातरेव बुभुक्षितः। अवश्यकार्य सम्भाव्य यथोक्तं शीलयेदनु ॥
वातघ्नतैलैरभ्यङ्गं मूर्ध्नि तैलं विमर्दनम्। नियुद्धं कुशलैः सार्धं पादाघातं च युक्तितः ॥

ii. अधोवातस्य रोधेन गुल्मोदावर्तरुक्क्लमाः। वातमूत्रशकृत्सङ्गदृष्ट्यग्निवधहृद्ग्रदाः ॥

अथवा/OR

तीक्ष्णधूमाञ्जनाघ्राणनावनार्कविलोकनैः। प्रवर्तयेत्क्षुतिं सक्तां स्नेहस्वेदौ च शीलयेत् ॥

iii. व्यञ्जनान्याशु शुष्यन्ति ध्यामक्वाथानि तत्र च। हीनाऽतिरिक्ता विकृता छाया दृश्येत नैव वा ॥
फेनोर्ध्वराजीसीमन्ततन्तुबुद्बुदसम्भवः। विच्छिन्नविरसा रागाः खाण्डवाः शाकमामिषम् ॥

अथवा/OR

जीर्णाशने तु भैषज्यं युञ्ज्यात् स्तब्धगुरूदरे। दोषशेषस्य पाकार्थमग्नेः सन्धुक्षणाय च ॥

iv. तत्रास्थनि स्थितो वायुः, पित्तं तु स्वेदरक्तयोः । श्लेष्मा शेषेषु, तेनैषामाश्रयाश्रयिणां मिथः ॥
यदेकस्य तदन्यस्य वर्धनक्षपणौषधम । अस्थिमारुतयोर्नैवं, प्रायो वृद्धिर्हि तर्पणात ॥

अथवा/OR

इति प्रायेण दोषाणां स्थानान्यविकृतात्मनाम् । व्यापिनामपि जानीयात्कर्माणि च पृथक्पृथक् ॥

2. निम्नलिखित में से किन्ही **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए। **09**

Write a note on any **one** of the following in Sanskrit:

i. अष्टाङ्गहृदय में वर्णित लवण
ii. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार द्रव्य विवेचन

3. निम्नलिखित में से किन्ही **तीन** पर टिप्पणी लिखिए। **7x3=21**

Write notes on any **three** of the following:

i. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार त्रिदोष
ii. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार रसादि धातुओं के कर्म
iii. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार प्रकृतिस्थ दोषो के कर्म
iv. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार शूकधान्य
v. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार तृणधान्य
vi. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार कृतान्न
vii. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार फलवर्ग

4. आयुर्वेद के आठ अङ्गों का वर्णन कीजिए। **12**

Describe the eight branches of Ayurveda.

अथवा/OR

अष्टाङ्गहृदय के अनुसार कृतान्न वर्ग का वर्णन कीजिए।

Describe the Kritaanna Varga (prepared foods) according to Ashtanga Hridaya.

5. अष्टाङ्गहृदय के अनुसार मांसवर्ग का वर्णन कीजिए। **12**

Describe the Maans Varga according to Ashtanga Hridaya.

अथवा/OR

अष्टाङ्गहृदय के अनुसार शाकवर्ग का वर्णन कीजिए।

Describe the Shaka Varga according to Ashtanga Hridaya.